2752 1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs1000

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

विक्रय पत्र ३२००० रुपये इस्टाम ४६५० रुपये ।

१००० रुपये के ४ अदद व ५००, १००, व २० रुपये के दो अदद ( उप खज़ाना बल्लबगढ़ ता० ३-७-७९ ।)

मैं जानकी दास जैन पुत्र श्री लछमन दास निवासी गांव धूरी त० मलेरकोटला जिला संगरूर ( पंजाब ) बज़रिये मुख्तयार आम श्री धर्म पाल पुत्र श्री देस राज निवासी नज़दीक सब्ज़ी मन्डी, पटियाला ( पंजाब ) मु० नामा आम रजिस्टरी शुदा दिनांक ३-५-७९ वसीका नं० ७१ बही नं० ४ सब रजिस्ट्रार मलेरकोटला, ( पंजाब ) ।

जो के मैं न्यू टाउन शिप फरीदाबाद त० बल्लबगढ़ जिला गुड़गांवा में एक

सब लिवाहाह हिस्सा

रेज़ीडेन्शीयल प्लाट नं० सी-२३, नेबर हुड नं० १, रकबा ८०० वर्गगज़, के ~~बबब~~

बौ

~~बबबब~~ प्लाट मिन जानिब पश्चिम, रकबा ४०० वर्गगज़ बपैमाइश ३० फुट गुना १२० फुट, का वाहिद मालिक कामिल काबिज़ हूं । उक्त १।२ हिस्सा प्लाट मैंने बज़रिये बयनामा रजिस्टरी शुदा दिनांक १९-१२-७४ वसीका नं० २९७५ बही

नं. 2-2-1135

| | |
|---|---|
| 100074 | 4000 |
| 5007 | 500 |
| 1007 | 100 |
| 2012 | 40 |
| | 4640 |

32000

आज दिनांक 3.7.79 ... 12 ...
1901 ... 10/11
... रजिस्ट्रार

3.7.79

S.K. Chandel Advocate Ballabgarh

3.7.79

नन्द किशोर

M. ...

2 ...

1. S.K. Chandel Advocate

... की जाती है कि फरीकैन व गवाहान के
निशान अंगूठा व ... सामने कराये गये।

3/7/79

Registrar
Ballabgarh

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

:: २::

नं० १ जिल्द नं० ७९९ सफा नं० २५-२६ श्री बल्देव राज भाटिया से खरीद किया हुआ है। मुझे क्रय आदि करने का पूरा हक हासिल है। अतः अब मैं अपने हालात व मफाद को मद्दे नजर रखते हुये उक्त प्लाट नं० सी-२३ नेबर हुड नं० १ रकबा ८०० वर्गगज़ का अपना १/२ हिस्सा प्लाट मिन जानिब पश्चिम रकबा ४०० वर्गगज़, को कुल अधिकारों सहित जो बतौर मालिक मुझे

पृष्ठ ३ पर

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.

Rs1000

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES



हासिल है, मु० ३२००० रुपये ( बत्तीस हजार रुपये ) जिसके आधे मु० १६००० रुपये होते है, पास श्री नन्द किशोर काल्हा पुत्र स्वर्गीय श्री श्याम दास काल्हा पुत्र श्री गोधा राम काल्हा निवासी ५-के-१६-सी, न्यू टाउन शिप, फरीदाबाद त० बल्लभगढ़ जिला गुड़गांवा, को बय कतई कर दिया है । बेच दिया है । कुल जरे बय में से मु० ७००० रुपये ( सात हजार रुपये ) पहले नकद वसूल कर चुका हूँ व शेष मु० २५००० रुपये ( पच्चीस हजार रुपये )

पृष्ठ ४ पर

INDIA NON JUDICIAL

१००० रु. Rs 1000

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES



सब रजिस्ट्रार बल्लबगढ़ के सम्मुख रजिस्ट्री कराने के समय नकद वसूल करूंगा । इस प्रकार कुल ज़रे बय वसूल है । कब्ज़ा मौका पर अपनी जानिब से खाली उक्त विक्रीत हिस्सा प्लाट रकबा ४०० वर्गगज़ ( रेज़िडेन्शीयल प्लाट नं० सी-२३ का १।२ हिस्सा ) का हवाले खरीदार कर दिया है । खरीदार मज़कूर मेरी बजाये उक्त विक्रीत हिस्सा प्लाट का वाहिद मालिक

पृष्ठ ५ पर

500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु.

Rs500

भारत

पाँच सौ रुपया FIVE HUNDRED RUPEES



कामिल काबिज़ हो गया है । अब से बाद मेरा व मेरे वारसान का कोई वास्ता उक्त विक्रीत हिस्सा प्लाट से नहीं रहा है । उक्त विक्रीत हिस्सा प्लाट रकबा ४०० वर्गगज़ ( प्लाट नं० सी-२३ का १।२ हिस्सा पश्चिमी ) नुक्स मिलकियत व हर प्रकार की ज़ेर बारों से पाक साफ़ है इस से पहले किसी अन्य को रहन, बय, हिबा आदि द्वारा मुन्तकील नहीं किया हुआ है अगर कोई नुक्स मिलकियत

पृष्ठ ६ पर

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु.

Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES



व ग़ैर बारी निकलेंगी तो मैं खरीदार के नुकसान मय ज़र बय व इज़ी खर्चों के लिये देनदार व ज़िम्मेदार रहूंगा । सीम हिस्सा प्लाट मुबिया इस प्रकार है । उत्तर में सड़क ६० फुट, दक्षिण में लेन २० फुट, पूर्व में रेज़ीडेन्शीयल प्लाट नं० सी-२३ का बाया हिस्सा, पश्चिममें रेज़ीडेन्शीयल प्लाट नं० सी-२४ । खर्चा बयनामा खरीदार ने लगाया है । दस्तावेज़ मुतल्का खरीदार को सौंप

पृष्ठ ७ पर

:: ७ ::

दिये हैं । अतः यह बयनामा । सुन समझ कर लिख दिया है कि सनद रहे वक्त

पृष्ठ ८ पर

20Rs.

बीस रुपया

भारत

INDIA

२०रु. TWENTY RUPEES 20RS.

:: ८ ::

जुरूरत काम आवें । दिनांक ३-७-७९ । मुकर्र है के मैं मु० आम ने खरीदार को यकीन दिलाया है कि मालिक प्लाट जीवित है और मैं उसका मु० आम बहाल हूँ व्य करने का मजाज हूं । अगर इस बारे में कोई गलत ब्यानी साबित हुई तो मैं देनदार व जिम्मेवार रहूंगा । इति । ३-७-७९ । इति । असल व नकल में अक्षर सत लिखावट हिस्से की उपर तहरीर है मेरे इल्म में है । इति । [signature]

जानकी दास जैन बज़रिये मुख्तयार आम श्री धर्म पाल विक्रेता ।

[signature]

S.K.Chandel

ग. [signature] A-Dr.

ग. श्री लछमन दास पुत्र श्री गनेश दास
१-एच-६४ टाउनशिप फरीदाबाद ।

[signature]

[signature]

1427. [signature]

त०न० गोरधन दास मेन्दीरत्ता वसीका नवीस ब ल्लबगढ़ ।

3/7/79.

Gordhan Dass Mendiratta
Document Writer
Ballabgarh (Gurgaon)

3/25

1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs1000

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

विक्रय पत्र २४००० रुपये इस्टाम २८८० रुपये ।

मन्की बलदेव राज भाटिया पुत्र श्री मूल चन्द निवासी ४०६६ सराफ़ा बाज़ार, अम्बाला कैन्ट ( हरियाना ) का हूं ।

जो कि मैं न्यू टाउन शिप फरीदाबाद त० बल्लबगढ़ ज़िला गुड़गांवा में एक रैज़ीडेन्शीयल प्लाट नं० सी-२३ नेबर हुड नं० १ बारकबा ८०० वर्गगज़ बाहदूद पूर्व में रैज़ीडेन्शीयल प्लाट नं० सी-२३-ए, पश्चिम में रैज़ीडेन्शीयल प्लाट नं० सी-२४, उत्तर में सड़क ६० फुट, दक्षिण में लैन २० फुट , का वाहिद मालिक काबिज़ काबिज़ हूं । उक्त प्लाट मैंने महकमा रिहैबलीटेशन भारत सरकार से बज़रिये कन्वेंस डीड रजिस्टरी शुदा दिनांक ५-३-६६ बही नं० १ जिल्द नं० २०३ सफ़ा नं० ६-१० वसीका नं० २००६ , खरीद किया हुवा है और मुझे बय करने का हक हासिल है । अतः अब मैंने अपने हालात व मफ़ाद को मद्दे नज़र रखते हुये अपने उक्त रैज़ीडेन्शीयल प्लाट नं० सी-२३ बारकबा ८०० वर्गगज़ का १।२ हिस्सा प्लाट मिन जानिब पश्चिम बापैमाईश ३० फुट गुना १२० फुट बारकबा ४०० वर्गगज़, की कुल अधिकारों सहित मु० २४००० रुपये ( चौबीस हज़ार रुपये ) जिसके आधे

पृष्ठ दो पर--------

B. R. Bhatia

1466 $\frac{1000}{2} + \frac{750}{1} + \frac{100}{1} + \frac{30}{1}$ योग 2880/. बलदेव राज पुत्र मेला चन्द [illegible]
19-12-74 अम्बाला / [illegible]

Assistant Treasurer
Ballabgarh
19/12/74

[illegible] 19 12 74
[illegible] 3-4
[illegible] निवासी अम्बाला
19/12/74

विक्रेता
[illegible]
B. R. Bhatia

विक्रेता
[illegible]

[illegible] DHU 016915 [illegible] 14.12.74 [illegible] 24000/- [illegible]

R. L. Anuja Adv.
[illegible] 19/12/74

विक्रेता [illegible]
B. R. Bhatia

[illegible]

साक्षी प्रथम
R. L. Anuja Adv.

साक्षी द्वितीय
[illegible]

R. L. Anuja

[illegible] 19/12/74

1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००० रु. Rs 1000

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

:: २ ::

मु० १२००० रुपये होते हैं, पास श्री जानकी दास जैन पुत्र श्री लछमन दास निवासी गांव धुरी ज़िला संगरूर ( पंजाब ) , को बय कतई कर दिया है। है। बेच दिया है। कब्जा मौका पर अपनी बजाये उक्त विक्रीत प्लाट वारकबा ४०० वर्गगज़ ( १।२ हिस्सा मिन जानिब पश्चिम ) का हवाले खरीदार कर दिया है। खरीदार मज़कूर मेरी बजाये उक्त विक्रीत हिस्सा प्लाट का मालिक कामिल काबिज़ हो गया है। अब से बाद मेरा व मेरे

पृष्ठ तीन पर

B. R. Bhalwai

750 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

७५० रु. Rs750

भारत

सात सौ पचास रूपया SEVEN HUNDRED & FIFTY RUPEES



वारसान का कोई वास्ता उक्त विक्रीत हिस्सा प्लाट से नहीं रहा है ।
उक्त विक्रीत हिस्सा प्लाट बारकबा ४०० वर्गगज़ ( १।२ हिस्सा मिन जानिब पश्चिम, रैजीडेनशीयल प्लाट नं० सी-२३ ) नुक्स मिलकियत व हर प्रकार की ग़ैर बारी से पाक साफ़ है इस से पहले किसी अन्य को मुन्तकिल नहीं किया हुआ है अगर कोई नुक्स मिलकियत व ग़ैर बारी निकलेगी तो मैं खरीदार के नुक्सान मय ज़रे बय व हर्जा खर्चा के लिये देनदार व ज़िम्मेवार रहूंगा । खर्चा बयनामा खरीदार ने लगाया है ।सी॰

पृष्ठ चार पर-----

B. R. Bhatia

100 Rs.

:: ४ ::

हिस्सा मुबिया इस प्रकार है। उत्तर में सड़क ६० फुट, दक्षिण में लेन २० फुट, पूर्व में रैजीडेन्शीयल प्लाट नं० सी-२३ का बकाया आधा हिस्सा जो मैंने कृष्ण कुमार गुप्ता को बय किया है, पश्चिम में रैजीडेनशीयल प्लाट नं० सी-२४। हिस्सा मुबिया को नक्शा मशमूला में बारंग सुर्ख दिखाया गया है। असल कन्वैंस डीड बकाया आधा हिस्सा के खरीदार को दे दी गई है इस लिये खरीदार मज़्कु

पृष्ठ ५ पर---

B. R. Bhatia

30Rs.

तीस रुपया

३०रु. भारत INDIA 30RS

THIRTY RUPEES

:: ५ ::

की तसदीकशुदा नकल सौंप दी है । कुल ज़रे बय मु० २४००० रुपये ( चौबीस हज़ार रुपये ) बैंक ड्राफ्ट नं० ०१६६१५।६।७४ दिनांक १४-१२-७४ उपर न्यु बैंक आफ़ इण्डिय धुरी ( सगंरुर ) सब रजिस्टरार बल्लबगढ़ के सन्मुख रजिस्टरी करण के समय वसूल करुंगा । अत: यह विक्रय पत्र सुन समझ कर लिख दिया है कि सन्द हो वक्त ज़रूरत काम आवें । दिनांक १६-१२-७४ । इति ।

बलदेव राज भाटिया विक्रेता
B. R. Bhatia

ग: श्री आर-एल-अनेजा ऐडवोकेट बल्लब
R. L. Aneja

ग: श्री चरन दास शर्मा पुत्र श्री खंडा राम
१-एच-५३ टाउन शिप फरीदाबाद ।

प्र. नं. 1175
19/12/74.

Deed of Conveyance to be Executed in the case of Free-Hold properties which are sold otherwise than by Public Auctions.

THIS INDENTURE made the 10th day of Feb. One thousand nine hundred and sixty six BETWEEN the President of India hereinafter called "the Vendor" (which expression shall unless repugnant to the context or meaning thereof include his successors and assigns) of the one part and Sh. Baldev Raj Bhatia S/O Sh. Mool Chand, R/o Ambala hereinafter called the "Purchaser" (which expression shall unless repugnant to the context or meaning thereof be deemed to include his heirs, executors and administrators and legal representatives) of the other part:

WHEREAS the Vendor is seized and possessed of the land, hereditaments and premises more particularly described in Schedule I, hereunder written.

And whereas the Vendor agreed to grant a lease of the said land for the period of 99 years commencing from the 6th May day of 1952 and the purchaser agreed to take on lease the said land on the terms and conditions specified in letter No. 216/9(E)18 dated 6.6.52 of the Faridabad Development Board.

And whereas no formal deed of lease was executed but the possession of the said land was given to the purchaser.

And whereas since then the purchaser has approached the Vendor for the sale of the said land.

AND WHEREAS the Vendor has agreed with the Purchaser for the absolute sale to him of the said land hereditaments and premises intended to be hereby granted at or for the price of Rs. Six thousand eight hundred fifty nine & seventy two paise only paid to the Vendor by the Purchaser (Rs. 6008-88 in cash and Rs. 850-84) by adjustment against the compensation payable under the Displaced Persons (Compensation & Rehabilitation) Act, 1954 to the Purchaser and his associates whose names are given in Schedule II hereunder written on or before the execution of these presents the receipt whereof the Vendor doth hereby admit and acknowledge, and from the same doth hereby release the Purchaser AND whereas the said associates have agreed to the property being granted, released, conveyed and assured unto the Purchaser. NOW THIS INDENTURE WITNESSETH that in pursuance of the said agreement and in consideration of the payment by the purchaser of the sum of Rs. 6859-72 in the manner aforesaid, the Vendor doth in pursuance of rule 23 of the rules framed under the Displaced Persons (Compensation & Rehabilitation) Act, 1954 hereby grant, release, convey and assure unto the Purchaser all that piece or parcel of land, hereditaments and premises known as R/Plot No. C-23NHI Faridabad more particularly described in Schedule I hereunder written (& delineated on the plan hereto annexed) TOGETHER WITH all building, commons, fences, hedges, ditches, ways, waters, watercourses, liberties, privileges, easements, and appurtenance whatsoever to the said piece or parcel of land belonging or in any way appertaining or usually held or enjoyed therewith or reputed to belong or be appurtenant thereto. AND ALL THE ESTATE, right, title, interest, claim and demand whatsoever of the Vendor into and upon the said premises and every part thereof EXCEPTING AND RESERVING to the Vendor all mines and minerals of whatsoever nature lying in or under the said premises together with full liberty at all times for the Vendor his agents and workmen to enter upon all or any

PTO.

part of the said premises, to search for, make merchantable and carry away the said mines and minerals under or upon the said premises or any adjoining land of the Vendor and to let down the surface of all or any part of the said premises and any buildings standing thereon or hereafter to be erected thereon, making fair compensation to the purchaser for damage done thereby TO HAVE AND TO HOLD the said land, hereditaments and premises hereby granted, released conveyed and assured, or expressed so to be, unto and to the use of the Purchaser subject nevertheless to the payment of such land revenue, cesses and taxes or other impositions as are or may be assessed or imposed on the said premises AND the Vendor doth hereby covenant with the Purchaser that he has not done anything or suffered anything to be done whereby the said premises are in any way encumbered or affected AND THAT the purchaser shall and may at all times hereafter peaceably and quietly posses and enjoy the said land, hereditaments and premises and receive the rents and profits thereof without any lawful eviction, interruption claim or demand whatsoever, from or by the Vendor or any person or persons lawfully or equitably claiming from, under, or in trust for him AND FURTHER THAT HE THE VENDOR and all persons lawfully or equitably claiming any estate or interest in the said land, hereditaments or premises, or any of them, or any part thereof, from, under or in trust for him the Vendor shall and will from time to time and at all times thereafter, at the request and cost of the Purchaser do or execute, or cause to be done and executed, all such acts, deeds and things whatsoever for further and more perfectly assuring the said land hereditaments and premises, and every part thereof unto and to the use of the Purchaser, in manner aforesaid, as shall or may be reasonably required.

Asstt. Settlement Officer-cum-M.O(F) New Delhi

IN WITNESS WHEREOF the Vendor has caused ______ on his behalf to set his hand, hereunto the day and year first above written.

SCHEDULE I.

All Faridabad or parcel of land/and/or building(s) 800 sq.yds. or thereabouts and bounded. containing by admeasurement.

On the North by Road 60' wide ..
On the South by Lane 20' wide ..
On the East by R/Plot C-22A/NHI ..
On the West by R/Plot C-24/NHI ..

SCHEDULE II.

Name of the associates -

1. .. .. ..
2. .. .. ..
3. .. .. ..
4. .. .. ..
5. .. .. ..
6. .. .. ..

Shri S.P. Sehgal, A.S.O.-cum-Managing Officer(F) New Delhi

Signed by the said
for and on behalf of the President of India in the presence of

1. ..[signature] . Head Clerk & Acctt.
2. ..[signature]
C.S.C.I Affairs (F) New Delhi

[signature]
S. P. SEHGAL
Assistant Settlement Officer
Cum-Managing Officer (Faridabad)
NEW DELHI

This conveyance deed has been presented by Sh. B. R. Bhatia S/o Sh. Mool Chand R/o Ambala Cantt for registration today dated 24.2.66 between 10—11 A.M.

J.S.R.
24.2.66

Sh. B. R. Bhatia presenter

B. R. Bhatia

The contents of this deed have been read over and explained to said Sh. B. R. Bhatia. He admits its execution and correctness. None is present on behalf of the [illegible]. No cash transaction has taken place in my presence. He is identified by Sh. Tara Chand W. B. N. Tamie B-[illegible] and Sh. Nehi Ray Gandhi 1E/64 N.I.T Faridabad. The first witness is known to me personally who identified the second.

J.S.R.
24-2-66

Sh. B. R. Bhatia
Presenter

B. R. Bhatia

Sh. Tara Chand
Witness

Tara [illegible]
24.2.66

Sh. Nehi Ray
Gandhi 1E/64
F. Bad

Nehi Ray Gandhi
B.A
24.2.66

Certified that the presenter and the witnesses have signed in my presence.

J.S.R.

वसीका दस्ता की नकल शामिल बही । जिल्द 203 सफा 9-10 पर
व॰ नं॰ 2009 ता॰ 5/3/66 को चस्पां की गई और हुक्मनामा
वसीका नं॰ 2009 बही । जिल्द 164 सफा 189 पर ता॰
5/3/66 को दर्ज की गई और वसीका नं॰ 2009 शामिल
बही । जिल्द 203 का नक्शा [illegible] शामिल बही नं॰ 1
जिल्द 40 सफा 29 पर चस्पां की गई

J.S.R.

BALLABGARH
PE...